बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -11-10-2020**

विषय – हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ –12- विजयी विश्व तिरंगा प्यारा नामक कविता के बारे में अध्ययन करेंगे।

) इसकी शान न जाने पाये,

चाहे नान भले ही जाये,

विश्व विजय करके दिखलाएँ

तब होवे प्रण पूर्ण हमारा।

झण्डा ऊंचा रहे हमारा ॥

शब्दार्थ-शान = गौरव, प्रतिष्ठ। जान = प्राण। प्रण-

प्रतिज्ञा। सन्दर्भ-पूर्व की तरह।

प्रसंग-कवि ने प्रस्तुत पद्यांश में तिरंगे के गौरव को

चिरस्थायी बनाने का आह्वान किया है।

व्याख्या-भारत की शान एवं गौरव के प्रतीक इस

तिरंगे की प्रतिष्ठा में तनिक भी कमी नहीं आनी

चाहिए भले ही इसकी रक्षा के लिए हमें अपने प्राणों

को कुर्बान करना पड़े। जब हम वास्तव में विजय

प्राप्त कर लेंगे अर्थात् देश आजाद हो जायेगा तभी

हमारा प्रण (प्रतिज्ञा) पूरा ठहराया जाएगा।

गृहकार्य -

इन शब्दों के उचित विलोम शब्द पर सही (/) का निशान लगाइए:

ऊँचा -- नीचा ( ) नीचे ( )

स्वतंत्र -- अस्वतंत्र ( ) परतंत्र ( )

शत्रु -- मित्र ( ) दोस्त ( )

5. कविता को विजय याद करके इन पंक्तियों पराजय को पूरा कीजिए

स्वतंत्रता के ----------

लखकर जोश बढ़े _----------

काँपे शत्रु देखकर ----------

मिट जाए ----------

झंडा ऊँचा ----------

6. ' स्वतंत्र' शब्द में ' ता' प्रत्यय लगाने से नया शब्द ' स्वतंत्रता' बनता है। ऐसे ही ' ता' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए

परतंत्र + ता= - ---------- प्रसन्न + ता = ----------

मानव + ता= - ---------- शिशु + ता= - ----------

7. पंक्तियों में विशेषण और विशेष्य शब्दों को रेखांकित करके उन्हें अलग-अलग कीजिए:

	विशेषण	विशेष्य
(क) विजयी विश्व तिरंगा प्यारा	----------	----------
(ख) स्वतंत्रता के भीषण रण में	----------	----------
(ग) आओ, प्यारे वीरो आओ।	----------	----------
(घ) प्यारा भारत देश हमारा	----------	----------

8. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) इस कविता में मातृभूमि का तन-मन किसे कहा गया है?

कविता में वीरों को किस पर बलि होने के लिए कहा गया है?